PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 5 बुदवार, जुलाई 8, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4मूल्य. 1रु

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया में आईआईएम बेंगलुरु परिसर की घोषणा की

नई दिल्ली / मलंग (इंडोनेशिया): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज घोषणा की कि भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु इंडोनेशिया में अपना परिसर स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परिसर पूरे आसियान क्षेत्र के युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। यह घोषणा प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में की गई।

प्रस्तावित परिसर इंडोनेशिया के मलंग स्थित सिंगहसारी विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह घोषणा भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के वैश्विक विस्तार में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। दुबई में प्प्ड अहमदाबाद, अबू धाबी में प्प्ज दिल्ली तथा जांजीबार में प्प्ज मद्रास के विदेशी परिसरों की सफल स्थापना के बाद यह पहल शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका को और मजबूत करती है।

इंडोनेशिया में प्रस्तावित यह परिसर प्प्ड बेंगलुरु का पहला अंतरराष्ट्रीय परिसर होगा। यह भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी तथा उच्च गुणवत्ता वाली किफायती शिक्षा उपलब्ध कराने वाले वैश्विक साझेदार के रूप में भारत की उभरती भूमिका को दर्शाता है। यह पहल दोनों देशों की शैक्षणिक सहयोग, मानव संसाधन विकास और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में ज्ञान साझेदारी को सुदृढ़ करने की साझा प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित करती है।

यह परिसर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्च्) 2020 के उस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जो भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों को वैश्विक उपस्थिति स्थापित करने और विश्वस्तरीय शिक्षा तक पहुंच का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस परिसर के लिए तैयार किया गया पाठ्यक्रम भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करने पर केंद्रित होगा। इसमें उभरते व्यावसायिक परिदृश्य के पांच प्रमुख क्षेत्रोंकृवैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं, डिजिटल परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु एवं स्थिरता तथा स्वास्थ्य सेवा प्रबंधनकृको शामिल किया जाएगा। प्रत्येक कार्यक्रम को उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं, प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त व्यक्तित्वों के साथ संवाद और सहभागिता से समृद्ध बनाया जाएगा।

आईआईएम बेंगलुरु के प्रस्तावित कार्यक्रम दो चरणों में संचालित किए जाएंगे। पहले चरण में वरिष्ठ अधिकारियों, व्यावसायिक नेताओं और सार्वजनिक क्षेत्र के पेशेवरों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। प्रारंभिक दो वर्षों में पहले चरण के सफल क्रियान्वयन के बाद दूसरे चरण में डिग्री प्रदान करने वाले प्रबंधन कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

यह कार्यक्रम प्प्ड बेंगलुरु और पीटी इंटेलेजेंसिया ग्रहतामा (PT Intelegensia Grahatama – PT IGT), जो सिंगहसारी ै‌ƒ की प्रबंधन एवं विकास इकाई है, के बीच हुए समझौता ज्ञापन के माध्यम से लागू किया जाएगा।

यह परिसर मुख्य रूप से इंडोनेशियाई नागरिकों के लिए होगा, साथ ही दक्षिण–पूर्व एशिया के अन्य पड़ोसी देशों के प्रतिभागियों को भी आकर्षित करेगा। इंडोनेशिया में अध्ययनरत प्रतिभागियों को बेंगलुरु परिसर में अल्पकालिक शैक्षणिक भ्रमण (।बंकमउपब प्उउमतेपवद टपेपजे) का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र, उद्योग और व्यापारिक वातावरण को समझने का अवसर प्राप्त होगा। यह पहल भारत और इंडोनेशिया के लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को और मजबूत करेगी तथा इंडोनेशिया को गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा के एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। साथ ही यह विश्वस्तरीय शिक्षा, नेतृत्व विकास और नवाचार के लिए वैश्विक दक्षिण (ळसवइंस ैवनजी) को एक पसंदीदा गंतव्य बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करती है।

पारंपरिक हस्तकला विरासत की जन्मभूमि है आंध्र प्रदेशः पवन कल्याण

(पेन पॉवर न्यूज): विजयवाड़ा, ७ जुलाईः आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि आंध्र प्रदेश पारंपरिक हस्तकला विरासत की जन्मभूमि है। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की महानता उसके बनाए हुए भवनों में नहीं, बल्कि उसके कलाकारों और शिल्पकारों में दिखाई देती है। उन्होंने बताया कि वे इस कार्यक्रम में कलाकारों की अद्भुत प्रतिभा और कठिन परिश्रम को सम्मान देने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्पी केवल वस्तुएँ ही नहीं बना रहे हैं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को भी जीवित रख रहे हैं।

मंगलवार को विजयवाड़ा के डॉ. बी.आर. अंबेडकर कला वेदिका में आंध्र प्रदेश हस्तकला विकास निगम (लेपाक्षी) द्वारा आयोजित "आंध्र प्रदेश हस्तकला उत्सव 2026" का पवन कल्याण ने उद्घाटन किया। इस उत्सव में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध शिल्पकारों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने रामायण के रावण वध प्रसंग को प्रस्तुत करने वाले तोलु बोम्मलाटा (चर्म कठपुतली) कलाकारों की सराहना की।

कलाकारों की प्रतिभा की सराहना

पवन कल्याण ने प्रत्येक स्टॉल का दौरा किया और हस्तशिल्प उत्पाद खरीदकर कलाकारों को व्यक्तिगत रूप से प्रोत्साहित किया। उन्होंने कलाकारों से बातचीत की, उनकी उपलब्धियों और चुनौतियों के बारे में जानकारी ली तथा उनकी कला की प्रशंसा की। उन्होंने अधिकारियों को कलाकारों के लिए आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलाकारों के अनुरोध पर उन्होंने विभिन्न क्लस्टरों के साथ समूह फोटो भी खिंचवाए। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आंध्र प्रदेश में हस्तशिल्प के विकास के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान कर रही है।

मंदिर पर्यटन की तर्ज पर हस्तकला पर्यटन

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण पर्यटन और मंदिर पर्यटन की तर्ज पर हस्तकला पर्यटन को विकसित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कलाकृतियों का सृजन करने वाले कलाकारों को उचित पहचान दिलाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कलाकारों के संघर्ष और उपलब्धियों को दुनिया तक पहुँचाने के लिए विशेष डॉक्यूमेंट्री तैयार की जाएँ।

वीबीजी रामजी योजना के तहत क्लस्टर स्तर पर साझा सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि हस्तकलाओं के संरक्षण के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। साथ ही कलाकारों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रत्येक क्लस्टर में नियमित चिकित्सा शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया।

देश और हिंदू धर्म का अपमान करने वालों का बचाव कर रहे हैं जगनः मंत्री कोल्लू रविंद्र

(पेन पॉवर न्यूज): राजमहेंद्रवरम, 7 जुलाईः आंध्र प्रदेश के मंत्री कोल्लू रविंद्र ने वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वे देश और हिंदू धर्म का अपमान करने वालों का समर्थन कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने राम्पचोडवरम मंडल के पंदिरिमामिडी में नीरा प्लांटेशन परियोजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार पिछड़ा वर्ग (बीसी) समुदाय के लोगों को उद्यमी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जगन सरकार ने बीसी समुदाय के साथ अन्याय किया। उनके अनुसार, जगन के शासनकाल में बीसी आरक्षण 34 प्रतिशत से घटाकर 24 प्रतिशत कर दिया गया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान 1,608 बीसी व्यक्तियों ने अपने पद खो दिए थे।

आंध्र प्रदेश में निवेश नहीं चाहते जगन

मंत्री रविंद्र ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी नेता बीसी राउंड टेबल बैठकों के नाम पर साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जगन नहीं चाहते कि आंध्र प्रदेश में निवेश आए।

उन्होंने यह भी दावा किया कि वाईएसआरसीपी शासनकाल के दौरान हुआ कथित ₹3,500 करोड़ का शराब घोटाला देश के सबसे बड़े घोटालों में से एक है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेकार और निम्न गुणवत्ता वाले शराब ब्रांडों के जरिए हजारों करोड़ रुपये कमाए गए तथा घटिया शराब के कारण कई लोगों की जान गई। उन्होंने चेतावनी दी कि वाईएसआरसीपी का राजनीतिक अस्तित्व समाप्त कर दिया जाएगा। साथ ही बताया कि राज्य सरकार केरल और गोवा की तर्ज पर बीच शैक्स (ठमंबी ैींबो) स्थापित कर रही है।

बीच शैक्स में होगी शराब की बिक्री

पर्यटन विकास के तहत विशाखापट्टनम और सूर्यलंका में पांच सितारा होटलों के माध्यम से संचालित बीच शैक्स में शराब बिक्री की अनुमति दी जाएगी।

मंत्री ने कहा कि ये बीच शैक्स ऐसे सुनसान स्थानों पर स्थापित किए जाएंगे, जहां आम लोगों को कोई असुविधा न हो। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अक्टूबर से नई आबकारी (एक्साइज) नीति लागू की जाएगी। उन्होंने बताया कि एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ प्रवर्तन अधिकारी छापेमारी कर रहे हैं। मंत्री ने चेतावनी दी कि यदि कोई दुकान एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेचती पाई गई, तो उसे सील कर दिया जाएगा।

मतदाता विवरणों का डिजिटलीकरण शीघ्र पूरा करेंः संयुक्त कलेक्टर कल्पना कुमारी

ओंगोल, 7 जुलाईः प्रकाशम जिले की संयुक्त कलेक्टर कल्पना कुमारी ने विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण (ैप्त्) अभियान के तहत मतदाता विवरणों के डिजिटलीकरण कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंगलवार को ओंगोल शहर के बृंदावन कॉलोनी, निर्मल नगर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और गद्दलगुंटा क्षेत्रों का दौरा कर गणना प्रपत्रों के वितरण तथा मतदाता विवरणों के डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बीएलओ को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आरडीओ चंद्रशेखर नायडू एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आपदाओं के कारण एक भी जान न जाए, यही हमारा लक्ष्यः अनीता

(पेन पॉवर न्यूज): अमरावती, 7 जुलाईः आंध्र प्रदेश की गृह एवं आपदा प्रबंधन मंत्री वंगलापुडी अनीता ने दक्षिण–पश्चिम मानसून और एल–नीनो के प्रभाव को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। यह बैठक मंगलवार को आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी आपदा के कारण एक भी व्यक्ति की जान न जाए। उन्होंने राज्य और जिला स्तर पर चौबीसों घंटे कार्य करने वाले विशेष नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

रायलसीमा जिलों पर एल–नीनो का अधिक प्रभाव

गृह मंत्री ने बताया कि एल–नीनो का प्रभाव सबसे अधिक रायलसीमा क्षेत्र में देखा जा रहा है।

उन्होंने कहा किः

श्री सत्य साई, अनंतपुर और अन्नमय्या जिले गंभीर वर्षा कमी (रेनफॉल डेफिसिएंसी) का सामना कर रहे हैं।

कुरनूल, नंद्याल, चित्तूर और कडप्पा जिलों में मध्यम स्तर का सूखा प्रभाव है।

प्रकाशम, मार्कापुरम, नेल्लोर और तिरुपति जिलों में भी सूखे का प्रभाव मध्यम स्तर पर बना हुआ है।

वैकल्पिक फसलों पर जागरूकता और बाढ़ की तैयारी मंत्री अनीता ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सूखा प्रभावित मंडलों के किसानों को वैकल्पिक फसलों के बारे में जागरूक किया जाए।

उन्होंने बाढ़ संभावित निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरण के लिए अग्रिम योजनाएँ तैयार करने को भी कहा। पुनर्वास केंद्रों में भोजन, स्वच्छ पेयजल और चिकित्सा सेवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि पेयजल और बिजली जैसी आवश्यक सेवाओं में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने पुलिस, अग्निशमन विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए।

विज्ञान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वूमेन में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

विशाखापट्टनम, 7 जुलाईः विज्ञान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वूमेन (ऑटोनॉमस) में यंग इंडियंस (ल्प), युवा, कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (ब्प्प्) और वन भारत स्पिरिट के संयुक्त तत्वावधान में ''मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें दृ भ्रांतियों को दूर करें'' विषय पर जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में इक्ष्वाख एल.एन., डॉ. प्रज्ञा सुमा और डी. पूजिता ने मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच, तनाव प्रबंधन तथा संतुलित आहार के महत्व पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों की सलाह लेने का संदेश दिया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. बी. अरुंधति ने कहा कि विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी समान ध्यान देना आवश्यक है। कार्यक्रम में प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

संपादकीय

जनता से दूर होती पत्रकारिता

काफी समय से देश में, विशेषकर हमारे तेलुगु राज्यों में, मीडिया की विश्वसनीयता को लेकर बड़ी बहस चल रही है। मीडिया के लिए कोई लक्ष्मण रेखा होनी चाहिए या नहीं, और यदि होनी चाहिए तो उसे कौन तय करे? क्या यह सीमा बाहरी नियंत्रण और प्रतिबंधों के माध्यम से तय की जानी चाहिए, या फिर मीडिया को स्वयं अनुशासन में रहकर अपनी मर्यादा निर्धारित करनी चाहिए? यह सर्वविदित है कि प्रेस की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का ही विस्तार है। इसलिए लंबे समय से यह मत व्यक्त किया जाता रहा है कि बाहरी नियंत्रण उचित नहीं है और आत्म–नियंत्रण ही स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। हाल के दिनों में मीडिया की विश्वसनीयता से आगे बढ़कर एक नया प्रश्न चर्चा का विषय बना हैकृवास्तविक पत्रकारिता क्या है और वास्तविक पत्रकार कौन है? डिजिटल युग में पत्रकार की परिभाषा क्या होनी चाहिए, इस पर व्यापक बहस शुरू हो गई है। कर्नाटक में हर वर्ष 1 जुलाई को प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन 1843 में पहली कन्नड़ दैनिक पत्रिका के प्रकाशन की स्मृति में मनाया जाता है। इस अवसर पर बेंगलुरु में ''डिजिटल युग में वास्तविक पत्रकार कौन है?'' विषय पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री सहित अनेक प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार 16 नवंबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर भी देश के विभिन्न राज्यों में ऐसी चर्चाएँ आयोजित की जाती हैं। यह प्रश्न कि पत्रकार कौन है, आखिर उत्पन्न क्यों हुआ? इसका उत्तर जानने के लिए हमें थोड़ा पीछे जाना होगा। सामान्यतः पत्रकारिता से जुड़े सभी लोग पत्रकार कहलाते हैं। भारतीय संविधान के तहत बनाए गए ''वर्किंग जर्नलिस्ट्स एंड अदर न्यूजपेपर एम्प्लॉइज एक्ट, 1955'' में पत्रकार की स्पष्ट परिभाषा दी गई है। इसके अनुसार, वह व्यक्ति जिसकी मुख्य आजीविका पत्रकारिता हो तथा जो किसी समाचारपत्र में पूर्णकालिक या अंशकालिक रूप से कार्य करता हो, उसे कार्यरत पत्रकार माना जाएगा।

लेकिन समय के साथ परिस्थितियाँ बदल गईं। लगभग तीन दशक पहले जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने तेजी से विस्तार किया और 24 घंटे समाचार प्रसारित करने वाले चौनलों का दौर शुरू हुआ, तब यह कानून काफी हद तक अप्रासंगिक हो गया। समाचार चौनलों के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा विभिन्न मीडिया संगठनों द्वारा कुछ दिशानिर्देश और आचार–संहिताएँ निर्धारित की गईं। इसके बाद समाचारपत्रों और टीवी चौनलों से जुड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म भी सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के दायरे में आ गए। इतनी स्पष्ट व्यवस्थाओं के बावजूद फिर यह प्रश्न क्यों उठ रहा है कि पत्रकार कौन है? इसका कारण यह है कि मीडिया का विकास 24 घंटे के समाचार चौनलों पर आकर नहीं रुका। तकनीकी प्रगति और सोशल मीडिया के विस्तार ने इस बहस को नई दिशा दे दी है। सोशल मीडिया के प्रभाव से पूरे देश में लाखों यूट्यूब चौनल अस्तित्व में आए हैं। अनुमान है कि आज भारत की विभिन्न भाषाओं में लगभग 20 लाख यूट्यूब चौनल सक्रिय हैं। इनमें से करीब 15 हजार चौनलों के दस लाख या उससे अधिक सब्सक्राइबर हैं। यह भी स्पष्ट है कि भारतीय यूट्यूब चौनल वैश्विक स्तर पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

एक पक्ष का तर्क है कि चूँकि यूट्यूबर भी जनता तक सूचनाएँ पहुँचा रहे हैं, इसलिए उन्हें भी पत्रकार माना जाना चाहिए और उनके कार्य को पत्रकारिता का हिस्सा समझा जाना चाहिए। दूसरी ओर यह मत है कि यूट्यूब पर प्रसारित होने वाली हर सामग्री को पत्रकारिता कहना उचित नहीं है।

वास्तव में, लाखों की संख्या में मौजूद ये यूट्यूब चौनल किसी प्रत्यक्ष नियामक नियंत्रण के अधीन नहीं हैं। वे अपनी इच्छा और समझ के अनुसार सामग्री प्रकाशित करते हैं। इसके विपरीत, मुख्यधारा की समाचार संस्थाओं में कोई भी समाचार प्रकाशित या प्रसारित होने से पहले कई स्तरों की जाँच और संपादन प्रक्रिया से गुजरता है।

हालाँकि, कुछ लोग यह भी कहते हैं कि इन्हीं फिल्टरों के कारण कई बार सच्चाई कमजोर पड़ जाती है या जनता तक पूरी तरह नहीं पहुँचती। उनका मानना है कि सोशल मीडिया और यूट्यूब चौनल बिना किसी फिल्टर के वास्तविक तथ्य सामने ला रहे हैं। यह विषय गंभीर चर्चा की माँग करता है। पत्रकारिता एक जिम्मेदार कार्य है। स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग करते समय सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारियों का पालन आवश्यक है। यदि मुख्यधारा के मीडिया संस्थान अपने दायित्वों का पूरी तरह निर्वहन करते, तो संभवतः आज इतनी बड़ी संख्या में वैकल्पिक डिजिटल मंच विकसित नहीं होते। समय के परिवर्तन और जीवन की बढ़ती गति के साथ डिजिटल माध्यमों का महत्व बढ़ा है। यूट्यूब चौनल, सोशल मीडिया और डिजिटल समाचार प्रसारण आज की आवश्यकता बन चुके हैं। लेकिन यह प्रश्न बना हुआ है कि इन माध्यमों से समाज तक पहुँच रही जानकारी कितनी उपयोगी या हानिकारक है। इन्हें पत्रकारिता कहा जाए या नहीं, यह अलग विषय हैय परंतु इन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के व्यापक दायरे में अवश्य देखा जाना चाहिए। साथ ही यह भी याद रखना आवश्यक है कि किसी भी नागरिक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता, गरिमा या सम्मान का उल्लंघन नहीं कर सकती।

रुरु यूट्यूबर पत्रकार नहीं हैं?

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर इस विषय पर व्यापक चर्चा हो रही है कि पत्रकार और यूट्यूबर अलग–अलग श्रेणियाँ हैं। यह चर्चा एक हालिया घटना के बाद तेज हुई है। जोसेफ उर्फ रावण नाम से यूट्यूब कार्यक्रम बनाने वाले एक व्यक्ति को आंध्र प्रदेश पुलिस ने उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के विरुद्ध कथित रूप से आपत्तिजनक व्यक्तिगत टिप्पणियाँ करने के आरोप में गिरफ्तार किया। जमानत मिलने के बाद भी उन्हें बार–बार विभिन्न मामलों में गिरफ्तार कर राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में ले जाया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि एक ही प्रकार के आरोपों में इतनी अधिक एफआईआर क्यों दर्ज की जा रही हैं? उन पर आरोप है कि उन्होंने सार्वजनिक मंच से पवन कल्याण की आलोचना करते हुए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। इसके बाद यह बहस शुरू हो गई कि क्या उन्हें पत्रकार माना जाना चाहिए या वे पत्रकारिता से असंबंधित एक यूट्यूबर हैं। बचलाकुरी जोसेफ उर्फ रावण को आंध्र प्रदेश पुलिस ने एक जनसेना कार्यकर्ता की शिकायत पर गिरफ्तार किया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि एलुरु में आयोजित एक दलित सभा के दौरान उन्होंने उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के बारे में अनुचित टिप्पणियाँ की थीं।

बागेश्वर सरकार श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दिव्य दरबार 17, 18 और 19 जुलाई को

भक्तों के लिए तीन दिन की श्री हनुमान कथा

बागेश्वर सरकार श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का प्रोग्राम पहली बार हैदराबाद में होगा

हैदराबाद बागेश्वर धाम सेवा समिति के सदस्यों ने ब्रोशर जारी किया

हैदराबाद : बागेश्वर सरकार श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का 'दिव्य दरबार' 17, 18 और 19 जुलाई को होने वाला है। इस इवेंट के तहत, भक्तों के लिए तीन दिन की 'श्री हनुमान कथा' होगी। यह पहली बार है जब बागेश्वर सरकार श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हैदराबाद में कोई प्रोग्राम करेंगे। इस तीन दिन के इवेंट के लिए सोमवार को एक भूमि पूजन (भूमि पूजन समारोह) किया गया, और इस मौके पर ऑफिशियल ब्रोशर जारी किया गया। इस इवेंट में अंजनी कुमार अग्रवाल, सूर्य कमल गुप्ता, संजय अग्रवाल, राकेश जालान, राकेश नरसिंगपुरिया, संदीप मित्तल, घनश्याम अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, पवन टिबरेवाल, अंकित अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल और शुभम अग्रवाल जैसे खास ऑर्गनाइजर शामिल हुए। प्रोग्राम गगन पहाड़ (प्रेस्टीज सिटी गेट के सामने) में पूरन संस फार्म्स में होंगे। यह बड़ा आध्यात्मिक इवेंट हैदराबाद बागेश्वर धाम सेवा समिति की देखरेख में हो रहा है। वॉलंटियर्स के लिए हुई एक मीटिंग में, इवेंट को सफल बनाने के लिए जरूरी गाइडलाइंस, सर्विस प्रोटोकॉल और जिम्मेदारियों के बारे में डिटेल में बताया गया। पंडित संजय शर्मा की गाइडेंस में पूरन संस फार्म्स में बड़े धूमधाम से एक भूमि पूजन (ग्राउंड–ब्रेकिंग सेरेमनी) किया गया। इसके बाद, गगन पहाड़ में सिटाडेल कन्वेंशन में हुई वॉलंटियर्स की मीटिंग में, कन्वीनर अंजनी कुमार अग्रवाल ने कहा कि हैदराबाद में पहली बार इतना बड़ा आध्यात्मिक इवेंट हो रहा है। उन्होंने सभी से मिलकर इस इवेंट को ऐतिहासिक बनाने के लिए काम करने को कहा। उन्होंने बताया कि बागेश्वर धाम से 60 लोगों की टीम और दूसरे इलाकों से 500 लोग आ रहे हैं, और उनके रहने और खाने का इंतजाम किया जा रहा है। उन्होंने वॉलंटियर्स को 16 जुलाई से 19 जुलाई तक ड्यूटी पर रहने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सेवा देने वाले हर वॉलंटियर को 'बाबा' की तरफ से एक खास सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन मिलेगा।

17, 18 और 19 जुलाई को बागेश्वर सरकार श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दिव्य दरबार

श्रद्धालुओं के लिए तीन दिवसीय श्री हनुमान कथा का आयोजन

हैदराबाद में पहली बार बागेश्वर सरकार श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का कार्यक्रम

हैदराबाद बागेश्वर धाम सेवा समिति के सदस्यों ने किया ब्रोशर का विमोचन

हैदराबादः 17, 18 और 19 जुलाई को बागेश्वर सरकार श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दिव्य दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए लगातार तीन दिनों तक श्री हनुमान कथा का आयोजन भी होगा। हैदराबाद में पहली बार बागेश्वर सरकार श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का यह भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन के लिए सोमवार को भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम से संबंधित ब्रोशर का भी विमोचन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य आयोजकों के रूप में अंजनी कुमार अग्रवाल, सूर्य कमल गुप्ता, संजय अग्रवाल, राकेश जालान, राकेश नरसिंगपुरिया, संदीप मित्तल, घनश्याम अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, पवन तिबरेवाल, अंकित अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल तथा शुभम अग्रवाल उपस्थित रहे।

यह कार्यक्रम 17, 18 और 19 जुलाई को गगन पहाड़ स्थित पुराण संस फार्म्स (प्रेस्टीज सिटी गेट के सामने) में आयोजित किया जाएगा। इस भव्य आध्यात्मिक आयोजन का संचालन हैदराबाद बागेश्वर धाम सेवा समिति के तत्वावधान में किया जा रहा है।

इस अवसर पर आयोजित स्वयंसेवक बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक नियमों, सेवा पद्धति तथा विभिन्न जिम्मेदारियों के बारे में स्वयंसेवकों को विस्तार से जानकारी दी गई।

पुराण संस फार्म्स में पंडित संजय शर्मा के मार्गदर्शन में भूमि पूजन समारोह वैदिक विधि–विधान के साथ संपन्न हुआ। इसके पश्चात गगन पहाड़ स्थित सिटाडेल कन्वेंशन में आयोजित स्वयंसेवक बैठक को संबोधित करते हुए संयोजक अंजनी कुमार अग्रवाल ने कहा कि हैदराबाद में इस स्तर का इतना विशाल आध्यात्मिक कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने सभी से सामूहिक रूप से कार्य कर इस आयोजन को ऐतिहासिक सफलता दिलाने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि बागेश्वर धाम से 60 सदस्यों की टीम तथा अन्य स्थानों से लगभग 500 स्वयंसेवक कार्यक्रम में भाग लेने आ रहे हैं, जिनके लिए आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों से 16 से 19 जुलाई तक अपनी सेवाएं देने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने बताया कि सेवा कार्य में योगदान देने वाले प्रत्येक स्वयंसेवक को 'बाबा' की ओर से विशेष प्रशंसा–पत्र (सर्टिफिकेट) प्रदान किया जाएगा।

क्षमा का भाव ही सबसे बड़ी संपत्ति

गलतियाँ, गलतफहमियाँ और मतभेद हर व्यक्ति के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं। लेकिन जब लोग इन मतभेदों को पीछे छोड़कर एक–दूसरे को क्षमा कर देते हैं, तब व्यक्ति, परिवार और पूरे समाज में शांति का वातावरण बनता है। इसी संदेश को विश्वभर में फैलाने के लिए हर वर्ष 7 जुलाई को ''विश्व क्षमा दिवस (वतसक थ्वतहपअमदमे वंल)'' मनाया जाता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि क्षमा कमजोरी का नहीं, बल्कि व्यक्ति की शक्ति, बुद्धिमत्ता और उदार चरित्र का प्रतीक है।

इस दिवस का मुख्य उद्देश्य क्रोध, घृणा और प्रतिशोध की भावना पर प्रेम, करुणा और धैर्य जैसे मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि दुनिया में अनेक युद्ध, पारिवारिक विवाद और सामाजिक संघर्ष केवल इसलिए बढ़ गए क्योंकि लोगों में एक–दूसरे को समझने और क्षमा करने की भावना का अभाव था। अहंकार, क्रोध और बदले की भावना अक्सर छोटी–छोटी गलतफहमियों को बड़े विवादों में बदल देती है। ऐसी परिस्थितियों को रोकने में क्षमा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जहाँ एक क्षमाशील निर्णय ने वर्षों पुराने विवादों का अंत कर दिया।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, क्षमा न कर पाने की प्रवृत्ति तनाव को बढ़ाती है और भावनात्मक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। लंबे समय तक क्रोध, द्वेष, चिंता और प्रतिशोध की भावनाओं को मन में रखने से उच्च रक्तचाप, अनिद्रा तथा हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसके विपरीत, जो लोग क्षमा करना सीखते हैं, वे अधिक मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का अनुभव करते हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ क्षमा को मन और शरीर दोनों के लिए एक प्रभावी औषधि मानते हैं।

आज के दौर में सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण छोटी–सी बात भी बड़े विवाद का रूप ले लेती है। एक टिप्पणी, संदेश या गलतफहमी मित्रों, परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के बीच दूरियाँ पैदा कर सकती है। ऐसे समय में खुलकर संवाद करना, अपनी गलती स्वीकार करना, ईमानदारी से माफी माँगना और दूसरों को क्षमा करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। यही गुण रिश्तों को पुनः मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मजबूत पारिवारिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षमा का भाव अनिवार्य है। पति–पत्नी, माता–पिता और बच्चों, भाई–बहनों तथा अन्य पारिवारिक सदस्यों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। लेकिन इन मतभेदों को गंभीर संघर्ष बनने देने के बजाय एक–दूसरे को समझना और क्षमा करना परिवार में प्रेम और अपनत्व को बढ़ाता है। वास्तव में, केवल धन–संपत्ति नहीं बल्कि आपसी विश्वास और क्षमाशीलता ही परिवारों को लंबे समय तक जोड़े रखती है।

बचपन से ही बच्चों में क्षमा के संस्कार विकसित करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। माता–पिता और शिक्षक बच्चों को अपनी गलतियों के लिए क्षमा माँगना, दूसरों की गलतियों को समझकर उन्हें माफ करना तथा अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना सिखाएँ। ऐसे संस्कारों के साथ बड़े होने वाले बच्चे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक और समाज के सकारात्मक सदस्य बनते हैं।

महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला जैसे महान नेताओं ने अपने जीवन से क्षमा की शक्ति को सिद्ध किया। उन्होंने दिखाया कि प्रेम प्रतिशोध से बड़ा है, शांति घृणा से श्रेष्ठ है और अहिंसा हिंसा से अधिक शक्तिशाली है। उनके जीवन हमें यह संदेश देते हैं कि क्षमा में शत्रु को भी मित्र बनाने की क्षमता होती है।

बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम पर जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

पेन पॉवर, विशाखापट्टनम ७ जुलाई: बागवानी विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को सिरीपुरम स्थित चौंबर ऑफ कॉमर्स, दत्त आइलैंड में क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम (सीडीपी) के तहत बागवानी क्लस्टरों के विकास पर एक जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि हाई वैल्यू मल्टी–कमोडिटी क्लस्टर तथा पेरी–अर्बन वेजिटेबल क्लस्टर तीन चरणों में विकसित किए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य बागवानी क्षेत्र को सुदृढ़ बनाना, किसानों की आय बढ़ाना तथा उत्पादन से लेकर विपणन तक बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

अधिकारियों ने बताया कि क्लस्टर से जुड़े किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री, खेती और उत्पादन संबंधी विभिन्न गतिविधियों के लिए सरकार की ओर से अधिकतम 50 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जाएगा। वहीं क्लस्टर प्रबंधन संस्थाओं को आधारभूत संरचना, प्रसंस्करण, विपणन, ब्रांडिंग, निर्यात, लॉजिस्टिक्स एवं अन्य मूल्य संवर्धन गतिविधियों के लिए 40 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

संगोष्ठी का उद्देश्य क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम (सीडीपी) तथा पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट (पीएचएम) योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपयुक्त कार्यान्वयन एजेंसियों और संभावित क्लस्टरों की पहचान करना था।

इच्छुक संस्थाओं से नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड (एनएचबी) की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने का आग्रह किया गया। साथ ही अधिक जानकारी के लिए संबंधित जिला बागवानी अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में डॉ. वाई. विद्याशंकर (सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक, बागवानी), विशाखापट्टनम, अनकापल्ली एवं अल्लूरी सीताराम राजू जिलों के बागवानी अधिकारी, एपीएमआईपी के अधिकारी, कृषी तरंग इकोसिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, उद्यमी, व्यापारी, निर्यातक तथा अन्य हितधारक उपस्थित रहे।

एक सप्ताह युद्ध स्तर पर चलाया जाएगा एसआईआर अभियान : जिला कलेक्टर

पेन पॉवर, विशाखापत्तनम ७ जुलाईः जिले में चल रहे विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए शेष एक सप्ताह तक युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश जिला कलेक्टर एम. अभिषेक किशोर ने अधिकारियों को दिए।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट में सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (म्त्व), अतिरिक्त ईआरओ, सहायक ईआरओ तथा विशेष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जीवीएमसी आयुक्त केतन गर्ग, संयुक्त कलेक्टर गोब्बिल्ला विद्याधरी तथा डीआरओ एम. विश्वेश्वर नायडू भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि 11 और 12 जुलाई को विशेष जनसंपर्क अभियान चलाकर घर–घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म (म्थ) वितरित किए जाएं तथा भरे हुए फॉर्म तुरंत एकत्र किए जाएं। जिन मतदाताओं को अभी तक फॉर्म नहीं मिला है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर फॉर्म उपलब्ध कराकर भरवाने और संग्रह करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने एसआईआर अभियान के प्रति लोगों में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए पूरे जिले में होर्डिंग लगाने, सिनेमाघरों में जागरूकता स्लाइड प्रदर्शित करने तथा सोशल मीडिया, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और ऑटो माइक के माध्यम से व्यापक प्रचार करने के निर्देश दिए। यह जागरूकता अभियान और ईएफ संग्रहण 14 जुलाई तक लगातार जारी रहेगा।

कलेक्टर ने सभी ईआरओ को केंद्र सरकार के कार्यालयों, सरकारी संस्थानों, गेटेड कम्युनिटीज तथा प्रमुख नागरिकों के आवासीय क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर शत–प्रतिशत ईएफ संग्रह सुनिश्चित करने को कहा। जिन मतदाताओं से फोन के माध्यम से संपर्क नहीं हो पा रहा है, उनकी जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने प्रत्येक विशेष अधिकारी को इस सप्ताह कम से कम तीन मतदान केंद्रों का निरीक्षण करने तथा ईआरओ को प्रतिदिन मतदान केंद्रवार प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। मतदाताओं की सहायता के लिए कलेक्ट्रेट में विशेष हेल्प डेस्क और कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जबकि गेटेड कम्युनिटीज और अन्य प्रमुख स्थानों पर भी अतिरिक्त हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे।

आज कलेक्ट्रेट और जीवीएमसी में विशेष शिविर

कलेक्टर ने बुधवार को कलेक्ट्रेट एवं जीवीएमसी कार्यालयों में विशेष एसआईआर हेल्प डेस्क और शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके बाद कोर्ट परिसर, वीएमआरडीए तथा अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर भी विशेष जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे।

कलेक्टर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप एसआईआर प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य कर जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाएं।

आंध्र प्रदेश सरकार ताड़ी उत्पादों के विकास को देगी बढ़ावा

रम्पचोडवरम, ७ जुलाईः आंध्र प्रदेश के खनन, भूगर्भ एवं आबकारी मंत्री कोल्लू रविंद्र ने कहा कि राज्य सरकार ताड़ी आधारित उत्पादों के विकास और ताड़ी श्रमिकों के कल्याण के लिए विशेष कार्ययोजना लागू कर रही है। उन्होंने रम्पचोडवरम के पंदिरिमामिडी कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित 'नीरा प्रोत्साहन एवं ताड़ी उत्पाद विकास' कार्यक्रम में यह बात कही। मंत्री ने बताया कि सरकार नीरा और ताड़ गुड़ (च्संउ श्रंहहमतल) के उत्पादन एवं विपणन को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि नीरा को अराकू कॉफी की तरह एक विशेष ब्रांड के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। साथ ही ताड़ी किसानों और श्रमिकों की आय बढ़ाने के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

आईटीआई कह्लेजों को किया जाएगा सशक्त, युवाओं को मिलेगा आधुनिक कौशल प्रशिक्षण

ओंगोल, ७ जुलाईः प्रकाशम जिला कलेक्टर पी. राजाबाबू ने कहा कि युवाओं को बेहतर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए आईटीआई कॉलेजों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सेंचुरियन यूनिवर्सिटी के साथ समझौता किया गया है, जिसके तहत इलेक्ट्रिक व्हीकल और ड्रोन टेक्नोलॉजी सहित कई आधुनिक क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण जल्द शुरू होगा। इसके लिए जिला खनिज निधि से धन आवंटित किया गया है। साथ ही प्लंबिंग, इलेक्ट्रिकल और फ्लोरिंग टेक्नोलॉजी जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।

बीसी कल्याण के लिए गठबंधन सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री कोल्लू रविंद्र

राजमहेंद्रवरम, ७ जुलाईः आंध्र प्रदेश के आबकारी मंत्री कोल्लू रविंद्र ने कहा कि राज्य की गठबंधन सरकार पिछड़ा वर्ग और ताड़ी श्रमिकों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पोलवरम जिले के पंदिरिमामिडी स्थित नीरा परियोजना का निरीक्षण करने के बाद कहा कि सरकार नीरा और ताड़ आधारित उत्पादों को बढ़ावा देकर ताड़ी श्रमिकों की आय बढ़ाने का प्रयास कर रही है। मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर जाति और धर्म के नाम पर लोगों को भड़काने तथा अपने शासनकाल में बीसी वर्ग की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार बीसी समुदायों को विभिन्न क्षेत्रों में आरक्षण और रियायतें दे रही है तथा पिछले पांच वर्षों में दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले ताड़ी श्रमिकों के परिवारों को 10 लाख रुपये की सहायता प्रदान करेगी। इस अवसर पर आबकारी आयुक्त सी.एच. श्रीधर ने कहा कि यदि पोलवरम जिले की नीरा परियोजना सफल रहती है, तो इसे राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी विस्तारित किया जाएगा।

जीवीएमसी मुख्यालय का होगा आधुनिकीकरण, अराकू कह्फी और मिलेट उत्पादों को मिलेगा बढ़ावा

पेन पॉवर, विशाखापट्टनम ७ जुलाईः ग्रेटर विशाखापट्टनम नगर निगम (जीवीएमसी) के आयुक्त केतन गर्ग ने अधिकारियों को जीवीएमसी मुख्यालय के आधुनिकीकरण एवं सौंदर्यीकरण के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मुख्यालय परिसर में नेटिव अराकू कॉफी, स्वयं एपी मिलेट मिक्स उत्पादों तथा ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) के माध्यम से उत्पादों की बिक्री के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा। मंगलवार को आयुक्त केतन गर्ग ने अतिरिक्त आयुक्त पी. सत्यवेणी, मुख्य अभियंता सत्यनारायण राजू तथा डीडीएच वासुकी के साथ जीवीएमसी मुख्यालय के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्यालय के बेसमेंट में स्थित पुराने कैंटीन का दौरा किया और वहां नेटिव अराकू कॉफी तथा शीघ्र लॉन्च होने वाले स्वयं एपी ब्रांड के मिलेट मिक्स उत्पादों के लिए बिक्री केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बेसमेंट स्थित क्रेच परिसर में एमईपीएमए के माध्यम से स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पादों की ओएनडीसी प्लेटफॉर्म के जरिए ऑनलाइन बिक्री के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष का निरीक्षण करते हुए उसे वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यालय परिसर को अधिक आकर्षक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए भी योजनाएं तैयार करने को कहा। उन्होंने मुख्यालय के पीछे के हिस्से का भी सौंदर्यीकरण करने, पुराने परिषद भवन के आसपास तथा गलियारों में सजावटी पौधे लगाने और पूरे परिसर में हरियाली बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि मुख्यालय को हरित एवं आकर्षक वातावरण प्रदान किया जा सके। इस निरीक्षण में कार्यकारी अभियंता गंगाधर, उप कार्यकारी अभियंता मौली, कार्यालय प्रभारी सत्यनारायण तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्वी गोदावरी जिले में 99: मतदाता गणना प्रपत्र वितरित

राजमहेंद्रवरम, ७ जुलाईः पूर्वी गोदावरी जिला कलेक्टर कीर्ति चेकूरी ने बताया कि विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण ;(प्त) के तहत जिले में 99-21% मतदाता गणना (एन्यूमरेशन) प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जबकि 66-47% प्रपत्रों का डिजिटलीकरण पूरा हो गया है। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की कि वे 14 जुलाई से पहले अपने विवरण सत्यापित कर एन्यूमरेशन प्रपत्र जमा करें। मतदाता मोबाइल ऐप, बीएलओ, 1950 हेल्पलाइन या जिला नियंत्रण कक्ष की सहायता से भी अपने प्रपत्र जमा कर सकते हैं।

भूमि पुनः सर्वेक्षण बिना किसी विवाद के पूरा करें: कलेक्टर के. दिनेश कुमार

गंगावरम / राम्पाचोडवरम, ७ जुलाईः पोलवरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ''मी भूमिदृमी हक्कु (आपकी भूमिदृआपका अधिकार)'' कार्यक्रम के तहत भूमि पुनः सर्वेक्षण किसानों के बीच किसी भी प्रकार के विवाद के बिना पारदर्शी ढंग से पूरा किया जाए।

मंगलवार को कलेक्टर ने संयुक्त कलेक्टर सुरपति प्रशांत कुमार और राम्पाचोडवरम आरडीओ के. स्वाति के साथ गंगावरम मंडल के वेमुलोवा गांव में चल रहे पुनः सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सर्वेक्षण से पहले किसानों को सूचित किया जाए तथा सीमा निर्धारण के समय दोनों भूमि स्वामियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुनः सर्वेक्षण कार्य में तेजी लाने, प्रतिदिन सुबह से कार्य शुरू करने और सर्वेक्षण पूरा होने के बाद सभी विवरण बिना किसी त्रुटि के तुरंत ऑनलाइन अपलोड करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सर्वे सहायक निदेशक श्रीनिवास राव, तहसीलदार सी.एच. श्रीनिवास राव, सर्वे कर्मचारी और किसान उपस्थित थे।

'वह जन्मजात नेता हैं', प्रियामणि ने की थलापति विजय की तारीफ; 'जन नायकन' की रिलीज पर दी बड़ी अपडेट

एक्ट्रेस प्रियामणि ने हाल ही में 'जन नायकन' के बारे में जानकारी दी। यह फिल्म सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय के साथ उनकी पहली फिल्म है। एच. विनोथ के डायरेक्शन में बन रही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिरी फिल्म है और इसके सर्टिफिकेशन प्रोसेस में देरी की वजह से भी यह सुर्खियों में रही है।

हाल ही में एक इवेंट में प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में इशारा करते हुए कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और उनके लीडरशिप गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि वह अपनी मौजूदा भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे।

वह इसी भूमिका के लिए पैदा हुए थे

अपनी फिल्म के लिए आयोजित एक इवेंट में प्रियामणि ने थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हर कोई कह रहा है कि सर इस भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे।

मुझे लगता है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और सभी को लगता है कि यह इसी तरह जारी रहना चाहिए। मैं उन्हें शुभकामनाएं भी देना चाहती हूं क्योंकि वह इसी काम के लिए पैदा हुए थे और वह जन्मजात नेता हैं।

जल्द ही घोषित होगी 'जन नायकन' की रिलीज डेट

विजय की आखिरी फिल्म कही जा रही 'जन नायकन' इस साल की शुरुआत में 9 जनवरी को रिलीज होनी थी। लेकिन सर्टिफिकेशन से जुड़ी दिक्कतों के कारण फिल्म की रिलीज में कई बार देरी हुई है।

हालांकि, खबरों के अनुसार इसे अब सीबीएफसी से मंजूरी मिल गई है और यह रिलीज के लिए तैयार हो रही है। प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रिलीज की सही तारीख तो नहीं बताई, लेकिन कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

विजय और प्रियामणि के अलावा 'जन नायकन' में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, नारायण, प्रकाश राज, ममिता बैजू और गौतम वासुदेव मेनन अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच विनोथ ने किया है। फैंस को विजय की 'जन नायकन' का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म को जुलाई के अंत या अगस्त के शुरुआती हफ्ते में रिलीज किया जा सकता है।

रवि किशन की पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए अनधिकृत कंटेंट हटाने का आदेश; दिल्ली हाई कोर्ट ने कही ये बात

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्टर और भाजपा सांसद रवि किशन के पक्ष में एकतरफा अंतरिम रोक का आदेश दिया है। इस आदेश के तहत कई संस्थाओं को उनके नाम, तस्वीर, आवाज और व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य विशेषताओं का बिना इजाजत कमर्शियल इस्तेमाल करने से रोका गया है। इसमें एआई, डीपफेक टेक्नोलॉजी और अन्य डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल भी शामिल है।

जस्टिस ज्योति सिंह की सिंगल-जज बेंच ने यह अंतरिम आदेश रवि किशन द्वारा दायर एक कमर्शियल केस में दिया। यह केस कई प्रतिवादियों के खिलाफ दायर किया गया था, जिनमें सोशल मीडिया अकाउंट्स, वेबसाइट्स, डोमेन नेम रजिस्ट्रार, मध्यस्थ और अज्ञात जॉन डो (John Doe) संस्थाएं शामिल हैं, जिन पर उनके व्यक्तित्व का बिना इजाजत इस्तेमाल करने का आरोप है।

केस में आरोप लगाया गया था कि एआई-जनरेटेड कंटेंट, अश्लील और भद्दे वीडियो, सोशल मीडिया पर फैलाए गए मनगढ़ंत बयानों, उनकी पहचान के बिना इजाजत कमर्शियल इस्तेमाल और उनसे गलत तरीके से जोड़े गए पोर्नोग्राफिक कंटेंट के जरिए एक्टर-राजनेता के व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया जा रहा है।

आरोप लगाया गया कि कई वेबसाइट्स रवि किशन के नाम का इस्तेमाल यौन रूप से स्पष्ट और पोर्नोग्राफिक सामग्री के संबंध में कर रही थीं, जबकि सोशल मीडिया अकाउंट्स ने मनगढ़ंत और आपत्तिजनक कंटेंट अपलोड किया था, जिससे उनकी छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

कोर्ट ने आदेश में कही ये बात

अपने आदेश में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि रवि किशन एक जाने-माने एक्टर हैं, जिनका करियर तीन दशकों से ज्यादा लंबा रहा है। साथ ही एक जन प्रतिनिधि के तौर पर भी उन्हें पहचान मिली है और उनकी काफी अच्छी साख, प्रतिष्ठा और कमर्शियल वैल्यू है।

जस्टिस ज्योति सिंह ने नोट किया कि वादी ने कई भाषाओं में 750 से ज़्यादा फिल्मों में काम किया है और उनकी कमर्शियल पहचान उनके नाम, तस्वीर, शक्ल-सूरत, आवाज, खास डायलॉग और व्यक्तित्व की दूसरी खासियतों से गहराई से जुड़ी है। ये सब मिलकर उनके व्यक्तित्व और पब्लिसिटी से जुड़े अहम अधिकार बनाते हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा, 'वादी ने एकतरफा अंतरिम रोक पाने के लिए शुरुआती तौर पर मजबूत मामला बनाया है। सुविधा का संतुलन वादी के पक्ष में है और अगर अंतरिम रोक नहीं लगाई गई तो उन्हें ऐसा नुकसान हो सकता है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकेगी।'

कोर्ट ने यह भी कहा कि रवि किशन को अपने व्यक्तित्व की अलग-अलग खूबियों की सुरक्षा करने और दूसरों को उनकी साफ मंजूरी के बिना इनका इस्तेमाल करने या कमर्शियल फायदा उठाने से रोकने का पूरा अधिकार है।

जस्टिस सिंह ने कहा कि व्यक्तित्व अधिकारों को अब कानूनी मान्यता मिल चुकी है और उन्हें कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए, खासकर तब जब बिना मंजूरी के इस्तेमाल से कमर्शियल नुकसान हो, निजता का उल्लंघन हो या किसी व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचे।

आदेश में कहा गया कि वादी को ऐसे किसी भी कंटेंट के खिलाफ शिकायत करने का अधिकार है जो उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करता हो, या अश्लील/अभद्र हो, या जिसमें पोर्नोग्राफिक कंटेंट हो और जिससे जनता, परिवार और दोस्तों के बीच उनकी छवि, साख और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता हो।

मोहनलाल ने सौंपे 10 हाथी के दांत और 13 मूर्तियां

केरल के महान अभिनेता मोहनलाल के खिलाफ वन्यजीव से जुड़ी चीजें रखने के एक पुराने मामले में कानूनी कार्यवाही चल रही है। इस बीच उन्होंने केरल वन विभाग को बताया है कि उनके पास हाथी के 10 दांत और हाथी दांत की 13 मूर्तियां हैं। यह जानकारी केरल हाई कोर्ट की तरफ से 2025 में हाथी के दांतों के मालिकाना हक वाले सर्टिफिकेट को रद्द करने के बाद सामने आई है।

दांतों की होगी जांच

अधिकारियों ने कहा कि एमनेस्टी स्कीम के तहत घोषित वन्यजीवों से जुड़ी चीजों की असलियत जानने और वे कहां से आईं हैं, यह पता लगाने के लिए उनका डीएनए टेस्ट और जांच की जाएगी।

तोहफे में मिले हाथी के दांत

मोहनलाल का हमेशा से यही कहना रहा है कि उनके पास जो हाथी के दांत थे, वे उन्हें अपने परिवार से विरासत में मिले थे या तोहफे में मिले थे।

'इस शो में आना मेरी गलती थी', 'लॉक अप 2' में राम कपूर ने क्यों कही ऐसी बात? रितेश देशमुख से की ये गुजारिश

क्या है पूरा मामला?

अभिनेता ने यह जानकारी लंबे समय से चल रहे एक कानूनी मामले के बाद दी है। यह मामला 2011 का है, जब इनकम टैक्स विभाग ने मोहनलाल की प्रॉपर्टी पर तलाशी के दौरान कथित तौर पर हाथी के दांत और उनसे बनी चीजें बरामद की थीं। बाद में वन विभाग ने उन पर बिना मंजूरी के हाथी के दांत रखने का मामला दर्ज किया था।

जारी रही आपराधिक कार्यवाही

बाद में केरल सरकार ने मुकदमा वापस लेने की कोशिश की, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने इस अनुरोध को ठुकरा दिया। इसके बाद केरल हाई कोर्ट ने इस फैसले को बरकरार रखा और आपराधिक कार्यवाही जारी रखने की इजाजत दे दी।

हाई कोर्ट ने की थी कार्रवाई

पिछले साल हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसके तहत हाथी के दांतों पर उनके मालिकाना हक को रेगुलर किया गया था। साथ ही, कोर्ट ने मोहनलाल के पास मौजूद हाथी के दांतों से बनी चीजों के लिए जारी मालिकाना हक के सर्टिफिकेट भी रद्द कर दिए थे।

स्कीम के तहत मोहनलाल ने किया खुलासा

अब जब वाइल्डलाइफ एमनेस्टी स्कीम के तहत नया डिक्लेरेशन जमा किया गया है, तो उम्मीद है कि वन अधिकारी नई घोषित चीजों पर कोई भी आगे की कार्रवाई करने से पहले उनकी जांच-पड़ताल की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

'एक्शन और कट के बीच मुझे सिर्फ एक्टर नहीं, भाई भी मिल गया' 'धुरंधर' के डायरेक्टर ने रणवीर को किया बर्थडे विश

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह सोमवार, 6 जुलाई को 41 साल के हो गए हैं। फिल्म 'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर ने सोशल मीडिया पर रणवीर के जन्मदिन पर एक खास पोस्ट साझा कर अपने दिल की बात लिखी है।

निर्देशक आदित्य धर ने अभिनेता रणवीर सिंह के जन्मदिन पर इंस्टाग्राम पर एक बेहद खास और इमोशनल पोस्ट साझा किया है। उन्होंने रणवीर को जन्मदिन की बधाई देते हुए अपनी फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग के अनुभव साझा किए और रणवीर की जमकर तारीफ भी की।

रणवीर के अभिनय के मुरीद हुए आदित्य

आदित्य ने इन शानदार तस्वीरों के साथ लिखा कि उन्हें पहले से पता था कि रणवीर एक बेहतरीन अभिनेता हैं, लेकिन इस फिल्म के सफर के बाद वह रणवीर के अभिनय और उनके अच्छे इंसान होने के कायल हो गए हैं।

शानदार परफॉर्मेंस की तारीफ

आदित्य के मुताबिक, फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर का काम भारतीय सिनेमा के इतिहास के सबसे बेहतरीन कामों में से एक है। उन्होंने लिखा कि 26/11 वाले सीन, पठानकोट नरसंहार और कोर्ट के बाहर वाले दृश्यों में रणवीर ने कमाल की एक्टिंग की है।

सरस्वती मां की कृपा

निर्देशक आदित्य ने रणवीर की तारीफ में लिखा कि उनकी लगन को देखकर ऐसा लगता है, जैसे खुद मां सरस्वती ने उनके सिर पर हाथ रखा हो और उन्हें कला का हुनर बख्शा हो।

भाई जैसा रिश्ता

आदित्य ने बताया कि 'धुरंधर' के सफर के दौरान रणवीर सिर्फ उनके एक्टर नहीं रहे, बल्कि उनके भाई बन गए हैं। उन्होंने उन पर भरोसा करने और फिल्म को अपना सब कुछ देने के लिए रणवीर का शुक्रिया अदा किया।

रणवीर की तारीफ

आदित्य धर को पूरा भरोसा है कि 'धुरंधर' फिल्म में रणवीर सिंह के अभिनय की तारीफ आने वाली पीढ़ियां भी करेंगी। उन्होंने रणवीर को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'हमेशा प्यार। हैप्पी बर्थडे, भाई।'

18 घंटे लगातार शूटिंग और थकान...; रानी मुखर्जी ने सुनाया 'मर्दानी 3' के क्लाइमैक्स एक्शन सीन के शूट का किस्सा

रानी मुखर्जी की चर्चित फ्रैंचाइजी 'मर्दानी' की तीसरी किस्त इस साल जनवरी में रिलीज हुई थी। एक बार फिर अभिनेत्री शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में नजर आईं। हाल ही में उन्होंने इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग के दौरान आए मुश्किल अनुभवों पर बात की। रानी ने बताया कि फिल्म के क्लाइमैक्स सीन के लिए शारीरिक ताकत और मेंटल फोकस, दोनों की जरूरत थी। उन्होंने इसे अपने करियर का सबसे मुश्किल शूट बताया।

रानी के लिए नाइट शूट क्यों होता है मुश्किल?

रानी मुखर्जी ने फिल्म के क्लाइमैक्स के लिए नाइट शूट के बारे में बात की। अभिनेत्री ने बॉलीवुड हंगामा से बात करते हुए कहा कि रात भर काम करना उनके लिए हमेशा मुश्किल रहा है, क्योंकि यह उनकी नैचुरल रूटीन के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि नाइट शेड्यूल के हिसाब से ढलना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने यह भी माना कि अंधेरा होने के बाद शूटिंग करने से सेट पर एक अनोखा माहौल भी बनता है।

'रात में एनर्जी और फोकस सही होता है'

रानी ने कहा, 'मुझे लगता है कि हर प्रोजेक्ट में अपनी-अपनी चुनौतियां होती हैं, लेकिन मेरे लिए रात की शूटिंग हमेशा सबसे मुश्किल होती है क्योंकि मैं स्वभाव से सुबह जल्दी उठने वाली इंसान हूं। जल्दी उठना और जल्दी सोना पसंद है, इसलिए जब भी रात का शेड्यूल होता है, तो मुझे अपनी बॉडी क्लॉक को पूरी तरह से बदलना पड़ता है। मुझे दिन में सोना भी पसंद नहीं है, इसलिए उस रूटीन के हिसाब से ढलना काफी मुश्किल हो सकता है। फिर भी, रात में शूटिंग करने में कुछ बहुत खास बात है। सेट पर जो एनर्जी होती है, वह अलग होती है। पूरा शहर सो रहा होता है, तब फिल्म क्रू पूरी तरह एक्टिव होता है और काम कर रहा होता है। एक अलग शांति होती है। वह माहौल शूटिंग में अलग ही फोकस और उत्साह लाता है'।

बोलीं- 'सीन देखा तो लगा सारी मेहनत सफल हुई'

रानी ने आगे बताया कि क्लाइमैक्स की शूटिंग प्रोडक्शन का सबसे थका देने वाला हिस्सा था। इस मुश्किल एक्शन सीन के लिए टीम को बिना किसी बड़े ब्रेक के लगभग पूरे दिन शूटिंग करनी पड़ी। रानी ने कहा, 'क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक थी। हमने लगातार 18 घंटे शूटिंग की। दोपहर 3 बजे शुरू करके अगली सुबह 10 बजे तक। यह सिर्फ शेड्यूल की वजह से मुश्किल नहीं था, बल्कि इसलिए भी क्योंकि इस सीन में बहुत शारीरिक मेहनत और ताकत की जरूरत थी। पूरी रात जागकर और शूटिंग करने के बाद इसने सचमुच मेरी सहनशक्ति की परीक्षा ले ली। लेकिन जब देखा कि सीन कैसा बना है, तो सारी मेहनत सफल हो गई।

'एक समय टीवी एक्टर्स को बहुत पैसे मिलते थे', सरगुन मेहता ने बताया कैसे एक घटना ने उन्हें बना दिया प्रोड्यूसर

सरगुन मेहता ने टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफर तय किया है। अब वो पंजाबी इंडस्ट्री की सफल प्रोड्यूसर और एक्ट्रेस हैं। अपने करियर को लेकर सरगुन का कहना है कि उनका करियर खुद को नए सिरे से ढालने, अपनी समझ और रिस्क लेने की हिम्मत से बना है।

फीस नहीं मिली तो मुनाफे में मांगा हिस्सा

सरगुन ने पंजाबी सिनेमा में मशहूर होने से पहले टीवी के सुनहरे दौर को याद किया। उन्होंने कहा कि टीवी पर एक ऐसा समय आया था जब एक्टर्स को बहुत ज्यादा पैसे मिलते थे। टीवी का जबरदस्त दौर चल रहा था। शो बहुत अच्छा कर रहे थे।

मुझे याद है कि 'नच बलिए' के समय ऐसा लगता था कि लोग इस डांस शो के अलावा कुछ और नहीं देख रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रोडक्शन में उनका आना किसी लंबे समय के प्लान की वजह से नहीं, बल्कि हालात की वजह से हुआ। पंजाबी फिल्म 'काला शाह काला' (2019) के बारे में बात करते हुए मेकर्स ने उनसे कहा कि वे उनकी एक्टिंग फीस नहीं दे सकते।

वह याद करते हुए कहती हैं कि मैंने कहा, 'ठीक है, क्या मैं कम से कम सक्रिप्ट सुन सकती हूं?' सक्रिप्ट सुनने के बाद मैंने उनसे कहा, 'मुझे पैसे मत दो। मुझे मुनाफे में हिस्सा दो और मुझे प्रोड्यूसर के तौर पर क्रेडिट दो।' इस समझौते के बाद उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की और फिर उन्होंने और उनके पति रवि दुबे ने 'उड़ारियां' (2021) के साथ टीवी प्रोडक्शन में कदम रखा।

एक्टिंग के साथ प्रोड्यूसर बनकर खुश हैं सरगुन

सरगुन के लिए फिल्म बनाना बजट के साइज से ज्यादा प्रोजेक्ट के पीछे के पक्के इरादे पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि जो इंसान सच में फिल्म बनाना चाहता है, वह दो लाख रुपये में भी एक बेहतरीन फिल्म बना सकता है।

अच्छी फिल्म के लिए पैसे की नहीं, इरादे की जरूरत होती है। आप कुछ फिल्में कमर्शियल वजहों से करते हैं और कुछ फिल्में अपने लिए करते हैं। फिलहाल मैं अपनी एक्टिंग की यात्रा जारी रखते हुए टीवी शो और फिल्में प्रोड्यूस करके खुश हूं।

'गदर' के निर्देशक अनिल शर्मा ने की अमीषा पटेल की तारीफ, सेट का भावुक किस्सा किया याद

अमीषा पटेल को हाल ही में फिल्म 'गदर' के निर्देशक अनिल शर्मा ने एक प्यारा सरप्राइज दिया। इसके साथ ही उन्होंने अमीषा के अभिनय की जमकर तारीफ भी की और फिल्म की शूटिंग का एक भावुक किस्सा भी साझा किया।

शूटिंग के वक्त रो पड़े थे क्रू मेंबर्स

अनिल शर्मा ने याद किया कि 'गदर' में 'सकीना' के किरदार के लिए अमीषा ने कितनी मेहनत की थी। उन्होंने कहा, 'सकीना के हर सीन के लिए तुमने मेरे साथ सैकड़ों बार रिहर्सल की थी।'

अनिल ने कहा, 'फिल्म में मौलवी के साथ तुम्हारा एक सीन था, जहां तुम कहती हो- 'मैं जहर खाकर मर भी नहीं सकती, क्योंकि मुझे पता है कि तारा आएगा और मुझे ढूंढकर बुलाएगा।' तुमने इस सीन को इतने शानदार तरीके से किया कि सेट पर मौजूद हर इंसान की आंखों में आंसू आ गए थे और सबने तालियां बजाई थीं।'

'आज भी वैसी ही खूबसूरत दिखती हो'

अनिल शर्मा ने अमीषा की खूबसूरती की तारीफ करते हुए कहा कि जब वह पहली बार अमीषा से मिले थे, वह आज भी वैसी ही दिखती हैं। ऐसा लगता है जैसे उनके लिए वक्त ठहर गया हो। उन्होंने अमीषा को अपने परिवार का हिस्सा बताया।

कब रिलीज हुई 'गदर'

फिल्म 'गदर' साल 2001 में रिलीज हुई थी और बॉलीवुड की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बनी। इस फिल्म में सनी देओल ने 'तारा सिंह' और अमीषा पटेल ने 'सकीना' का रोल निभाया था।

यह भारत के बंटवारे (1947) के समय की कहानी है, जिसमें एक सिख ट्रक ड्राइवर को एक मुस्लिम लड़की से प्यार हो जाता है और वह उसे पाकिस्तान से वापस लाने के लिए पूरी दुनिया से लड़ जाता है।

फिल्म का हैंडपंप उखाड़ने वाला सीन आज भी बहुत मशहूर है। इसके साथ ही 'मैं निकला गड्डी लेके' और 'उड़ जा काले कावां' जैसे गाने आज भी लोगों के पसंदीदा हैं।

बड़े पर्दे पर पहली बार बनेगी अली फजल और ऋचा चड्ढा की जोड़ी, ऐसी होगी फिल्म की कहानी

बॉलीवुड कपल अली फजल और ऋचा चड्ढा पहली बार किसी फिल्म में एक-दूसरे के अपोजिट नजर आएंगे। यानी पहली बार ये रियल लाइफ जोड़ी बड़े पर्दे पर भी एक जोड़ी के रूप में नजर आएगी। हालांकि, दोनों ने पहले 'फुकरे' फ्रैंचाइजी में साथ काम किया है, लेकिन स्क्रीन पर उन्हें कभी एक-दूसरे के अपोजिट कास्ट नहीं किया गया। एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा की आने वाली फिल्म में कपल साथ नजर आएगा। कपल ने इसको लेकर अपना उत्साह भी जाहिर किया है।

ऐसी होगी फिल्म की कहानी

अली और ऋचा आखिरकार पहली बार एक साथ एक बिना नाम वाली सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में काम करने जा रहे हैं, जिसे सीनवर्क प्रोडक्शंस और गिरिराज प्रोडक्शंस बना रहे हैं। इनके अलावा फिल्म में कुमुद मिश्रा भी नजर आएंगे।

दिल्ली की भागदौड़ भरी जिंदगी पर आधारित इस फिल्म को एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा डायरेक्ट करेंगे। शशि वर्मा पहले 'बाला', 'गुंजन सक्सेना' और 'कटहल' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं और उन्होंने 'AK47' और 'मुर्गा ट्रॉफी' जैसी फिल्में लिखी हैं।

हालांकि, अभी फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। फिल्म की शूटिंग 2026 के दूसरे हिस्से में शुरू होगी और इसे अप्रैल 2027 में

सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

अली बोले- मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं

इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए अली फजल ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे अच्छी कॉमेडी ईमानदार किरदारों और असल लगने वाली स्थितियों से बनती है। जैसे ही मैंने यह सक्रिप्ट पढ़ी, मुझे पता चल गया कि इसमें कुछ खास है। ऋचा के साथ स्क्रीन पर एक बिल्कुल नया तालमेल आजमाना भी रोमांचक है।

मैं सच में उस चीज का इंतज़ार कर रहा हूं जो हम साथ मिलकर बनाएंगे। शशि सर के काम को मैं हमेशा से फॉलो करता रहा हूं और उनके साथ काम करना मेरी हमेशा से इच्छा रही है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का यह भी एक बड़ा कारण है।'

कहानी की सादगी ने मुझे खींचा

वहीं ऋचा चड्ढा ने फिल्म को लेकर अपना उत्साह जताते हुए कहा, 'इस कहानी की सादगी और असलियत ने मुझे अपनी ओर खींचा। यह मजेदार और इमोशनल है और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी है, साथ ही इसमें समाज पर एक बेहतरीन टिप्पणी भी है। अली और मैंने पहले भी साथ काम किया है, लेकिन कभी ऐसा नहीं किया।

मैं सच में उत्साहित हूं कि दर्शक हमें एक बिल्कुल नए अंदाज में साथ देखेंगे। इस कहानी ने मुझे दिल्ली के यमुना पार में बिताए अपने स्कूल के दिनों की याद दिला दी। अली एक बेहतरीन एक्टर हैं। हमें पहले कभी इस तरह साथ काम करने का मौका नहीं मिला। इससे पहले हमने 'फुकरे' में काम किया था, जहां हमारे किरदार अलग-अलग थे।'

आखिरी बार 'राख' में नजर आए थे अली

वर्कफ्रंट की बात करें तो अली फजल आखिरी बार हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'राख' में नजर आए थे। इस सीरीज को काफी पसंद किया गया और अली के अभिनय की भी जमकर तारीफ हुई। अब अली 'मिर्जापुरः द मूवी' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वो सीरीज के अपने लोकप्रिय किरदार गुड्डू पंडित के रूप में वापसी करेंगे। ऋचा चड्ढा आखिरी बार 2024 में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में नजर आई थीं।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com